Title: Regarding reported incidents of suicides by farmers in various parts of the country.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, एक लम्बे अरसे सेâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER : I am trying to give everybody an opportunity. Those who will interrupt will not get any chance. Shri Ramji Lal Suman, you please carry on.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : मैं आपकी आज्ञा का पूरा पालन करूंगा।â€¦ (व्यवधान)पिछले समय किसानों की आत्महत्याओं के मामले काफी समाचार पत्रों में प्रकाश में आए हैं, खास तौर से आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराट्र में सैंकड़ों की संख्या में किसानों ने आत्महत्याएं की हैं। यह अत्यधिक गंभीर मामला है।â€¦ (व्यवधान)अध्यक्ष महोदय, मुझे आपका संरक्षण चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Please be brief and to the point.

श्री रामजीलाल सुमन : अभी प्रधान मंत्री जी आंध्र प्रदेश गए थे। उन्होंने वहां पचास-पचास हजार रुपये की मदद की घोाणा मृतक किसानों के परिवारों को दी। अध्यक्ष महोदय, समस्या का हल यह नहीं है। असल और बुनियादी सवाल यह है कि किसान जो ऋण लेता है, उसकी उस ऋण को अदा करने की क्षमता खत्म हो गई है। यह बहुत गंभीर मामला है। जब-जब राज्य सभा या लोक सभा में किसानों की आत्महत्याओं से संबंधित सवाल उठाए गए, तब-तब सरकार ने यह कहकर टालने की कोशिश की कि यह राज्यों का विाय है। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER : I thought the Chair wanted protection.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : श्री नानाजी देशमुख ने राज्य सभा में जो सवाल किया, मेरे पास उसका जवाब है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आज विश्व की तुलना में हमारी उपज दर कम है। अंतर्राट्रीय बाजार में हम कहीं खड़े नहीं होते। उपज दर कैसे बढ़े, उत्पादन लागत कैसे कम होâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Please be quiet.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : It is not a debate. Please be brief.

श्री रामजीलाल सुमन : हम आपका संरक्षण चाहते हैं और मैं आपके मार्फत आश्वासन चाहूंगा कि कृपा करके इस बारे में चर्चा कराने का कट करें।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER : It will be done.

श्री रामजीलाल सुमन : मेरा आपके मार्फत निवेदन है कि यह पूरे देश की समस्या है। यह किसानों की जिंदगी से जुड़ा हुआ सवाल है और खेती आज अलाभकारी बन गई है। इस सवाल पर बहुत गंभीरता के साथ चर्चा कराए जाने की आवश्यकता है। पूरे देश के किसानों में बेतहाशा बेचैनी है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER : We shall have a discussion.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Please wait. You are a very senior Member.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Hon. Members, Shri Shailendra Kumar, Shri Munawar Hassan, Shri Mohan Singh, Shri Ravi Prakash Verma, Shri Rewati Raman Singh, Shri Rajnarayan Budholia and Shri Paras Nath Yadav have all given notices.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : हम क्या बोल रहे हैं, उसे आपको सुनने का धीरज नहीं है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : You have all given notices on the same subject. I am requesting you to associate yourself with this by very brief interventions. Please cooperate. There are so many important issues that the hon. Members want to raise.

अध्यक्ष महोदय : कृपया आप आधे मिनट में अपनी बात समाप्त कीजिए।

...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय सदस्य श्री रामजीलाल सुमन ने किसानों की आत्महत्याओं से संबंधित जो मामला उठाया है, वह बहुत गंभीर मामला है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप उसका समर्थन करते हैं।

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैं सरकार से कहना चाहूंगा कि किसान जो उत्पादन कर रहा है, उसको उसका लाभ मूल्य नहीं मिल पा रहा है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने जो पचास हजार रुपये की घोाणा की है, उनसे किसान अपना कर्ज अदा करेगा या अपना परिवार चलाएगा। यह बहुत गंभीर मामला है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहूंगा कि इस बारे में नियम 193 के अंतर्गत चर्चा कराई जाए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER : It will be done. I want to inform the hon. Members about that .

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Please allow me to speak. This will be discussed. I have already allowed this motion. It will be fully discussed. You can participate in that. I am only saying, at the moment, the importance of this issue is recognised. Therefore, please associate yourself so that we can go to some other subject. Nobody is minimising the importance of the issue.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Now, Shri Munawar Hassan. Please associate yourself.

श्री मुनव्वर हसन (मुजफ्फरनगर) : अध्यक्ष महोदय, हमारे देश में खेती करना नुकसान का सौदा साबित हो रहा है। इसके लिए किसान ऋण को वापस नहीं चुका पा रहा है और न ही वह अपने परिवार का पेट पालन कर पा रहा है। इससे परेशान होकर किसान आत्महत्या करने पर उतारू हो रहे हैं।... (व्यवधान)

SHRI S. BANGARAPPA (SHIMOGA): Sir, why do you not allow a discussion on this subject?

MR. SPEAKER: I have allowed a discussion and it will come in due course. You can ask about it from Prof. Vijay Kumar Malhotra.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are such a senior Member of the House, you should not set-up standards with which others would be misled.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय :इतना गंभीर मामला है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमने कार्य स्थगन प्रस्ताव दिया था। सदन की यह परम्परा रही है कि पहले कार्य स्थगन प्रस्ताव सुना जाता है। आपने शून्यकाल शुरू करा दिया। हमारा कार्य स्थगन प्रस्ताव शुरू नहीं कराया। यह परम्परा पहले से रही है। पहले आप कार्य स्थगन प्रस्ताव सुनते थे।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Let him finish his submissions first. Yes, Shri Munawar Hassan, please be brief.

...(*Interruptions*)

श्री मुनव्वर हसन : अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि हमारे देश में किसान आत्महत्या करने पर पिछले कई सालों से मजबूर हो रहा है और सरकार इसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। किसान को अपनी उपज का दाम ठीक तरीके से नहीं मिल रहा है, चाहे वह उत्तर प्रदेश में हो या हरियाणा में हो या पंजाब में हो। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please associate yourself. This matter has already been raised, and there will be a discussion on this issue.

श्री मुनव्वर हसन : इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि किसानों की उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए नियम 193 में चर्चा कराई जाए जिससे किसानों की समस्या का कोई समाधान हो सके।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Now, Shri Mohan Singh.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Mohan Singh, please be very brief as you are very articulate.

...(*Interruptions*)

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, जो हमारे मित्रों ने किसानों की व्यथा आपके सामने प्रकट की है, मैं उससे स्वयं को सम्बद्ध करता हूं। कल इस महत

वपूर्ण सवाल पर इसी सदन में एक सवाल पूछा गया था और उस पर आत्महत्याओं से मरने वालों की संख्या जो दी गई थी, वह संख्या 1100 से ऊपर की थी। आत्महत्याओं का जो कारण बताया गया, उस कारण में सरकार की ओर से बताया गया कि सरकारी और बैंकों का ऋण अदा करने की किसानों की हैसियत नहीं है। यह बात सही है कि सरकार किसानों की व्यथा से और उनकी आत्महत्याओं के बुनियादी कारणों से पूरी तरह से परिचित है और उसके प्रति जिस गंभीरता की आवश्यकता और अपेक्षा सरकार से है, वह गंभीरता सरकार की ओर से नहीं दिखलाई जा रही है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: We shall have a discussion and then you can raise this question.

...(*Interruptions*)

श्री मोहन सिंह : इसलिए मैं मांग करता हूं कि इस पर आप बहस करा लें। सरकार को सारे तथ्य और उसके विकल्प दोनों बातें सदन के सामने रखनी चाहिए। मैं इस पर बहस की मांग करता हूं।

MR. SPEAKER: I have already announced that there will be a discussion on this subject.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Ravi Prakash Verma, please be very brief. Just associate yourself.

SHRI RAVI PRAKASH VERMA (KHERI): Sir, I will complete in one minute. अध्यक्ष महोदय, यह उदारीकरण की नीति का प्रभाव जो धरती पर हो रहा है, उससे खेती की स्थिति बहुत खराब हो रही है। उस पर दुबारा से पुनर्विचार किये जाने की आवश्यकता है कि किस तरीके से हम लोग एक बिजनैस एनटरप्राइज के रूप में उसको आगे डैवलप कर सकेंगे। मैं अपने साथियों के साथ इससे एशोसिएट करता हूं।

MR. SPEAKER: Thank you very very much. Now, Shri Rewati Raman Singh. Please speak to the point.

SHRI REWATI RAMAN SINGH (ALLAHABAD): Thank you, Mr. Speaker Sir. अध्यक्ष महोदय, रामजीलाल सुमन जी ने जो कहा है, मैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं। लेकिन दो बातें मैं इसमें जोड़ना चाहता हूं। आजादी के बाद 60 के दशक में अमरीका में जो जानवरों को गेहूं खिलाया जाता था, वह गेहूं भारत में हम लोग इम्पोर्ट करने लगे। यहां के किसानों ने पैदावार में इतनी वृद्धि की और उसका नतीजा यह हुआ कि आज भारत सैल्फ-सफिशिएंट हो गया है। लेकिन हमने किसानों को क्या दिया। एग्रीकल्चर प्राइस कमीशन बनाया गया और वह कमीशन जो भाव तय करता है, वह किसानों की लागत से कहीं कम तय करता है। उसका नतीजा यह हो गया है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You can raise this issue when we have a discussion on this subject.

श्री रेवती रमन सिंह : अध्यक्ष जी,एक मिनट में मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। किसान हत्या ही नहीं कर रहा है, उसका खेत, बाग और मकान सब बिक रहा है। मैं मांग करूंगा कि किसानों के लिए अलग से एक कमीशन बनाया जाए, इस पर चर्चा हो। पूरा सदन इस बात से सहमत है कि इसके लिए कमीशन बनाया जाए और तीन महीने के अंदर इस नीति में आमूलचूल परिवर्तन किया जाए।

MR. SPEAKER: We shall discuss this issue. Shri Rajnarayan Budholia -- Not present.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If you are not cooperating, then I would not call anybody.

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): Sir, I will take one minute.

MR. SPEAKER: Sorry, you have not given any notice.

...(*Interruptions*)

श्री बृज किशोर त्रिपाठी : मेरा यह निवेदन है कि किसानों को उचित मूल्य मिलने के विाय पर और ड्राउट सिचुएशन पर अलग-अलग चर्चा समायाभाव के कारण नहीं हो पाएगी इसलिए इन दोनों वियों को मिलाकर बहस की अनुमति आप दे दें।